वार्षिक पाठ्यक्रम
सत्र : 2023-24
कक्षा – 8
विषय – हिंदी

(वसंत भाग 3) पाठ संख्या और नाम	विधा / विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
पाठ 2 **लाख की चूड़ियाँ** **(कामतानाथ)**	**कहानी /** **औद्योगिकीकरण** **परंपरागत ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योगों के दिनानुदिन लुप्तप्राय होने के कारण पेशेवर कलाकारों की व्यथा का वर्णन**	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** संज्ञा: भेद एवं प्रयोग **कक्षा 7** संज्ञा,भेद, पहचान एवं उदाहरण **का. सं. 135A, 23** **कक्षा 8** संज्ञा,भेद, पहचान एवं उदाहरण, आंचलिक शब्दों का उच्चारण, प्रयोग।	• कहानी विधा से परिचित होंगे, • भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, • परंपरागत परिवेश, वस्तुओ के प्रति जिज्ञासु होंगे, • लोगों के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, • विभिन्न वस्तुओं के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे, • अपनी परंपरा और लघु कुटीर उद्योगों के प्रति संवेदनशील होंगे, • परतंत्र भारत के निवासियों की पीड़ा और ब्रिटिश गुलामी से स्वतंत्रता की उत्कट अभिलाषा को जान सकेंगे, • कल्पनाशीलता का विकास होगा, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे	• कार्यपत्रक सं. *1-4* • कार्यपत्रक सं. 6-*8* • कार्यपत्रक सं. 9-11 • वाद-विवाद : मशीनी युग का मानव जीवन पर प्रभाव

पाठ. 3 **बस की यात्रा** **(हरिशंकर परसाई)**	**व्यंग्य / व्यंग्य** व्यंग्य के माध्यम से व्यवस्था एवं परिस्थितियों पर टिप्पणी	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** भाषा और लिपि: पहचान कक्षा 7 भाषा और लिपि: प्रयोग **कक्षा 8** ● भाषा और लिपि – व्यंग्यात्मक भाषा ● विशेषण: पहचान ,भेद, उदाहरण। ● पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● गुणवाचक विशेषण ● श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द ● व्यंग्य पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास	• कहानी विधा से परिचित होंगे, • आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • समाज में परंपरागत , वस्तुओं आदि के महत्त्व को अपने संदर्भ में अनुभव कर सकेंगे, • व्यंग्य और व्यवस्था के रूप में यात्रा के माध्यम से बच्चों के लिए किस प्रकाआर से जानकारी एवं बोध की स्रोत होती हैं, इस तथ्य से अवगत हो सकेंगे, • पारंपरिक रहन-सहन परम्परा, • भावों- विचारों के आपसी आदान- प्रदान में समर्थ होगें, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	• कार्यपत्रक सं. *5-6* • कार्यपत्रक सं. *13, 15* • कार्यपत्रक सं. 17, 19, 21, 23 • 'व्यवस्था के प्रति हमारा कर्तव्य' पर समूह चर्चा
पाठ. 8 **यह सबसे कठिन समय नहीं** **(जया जादवानी)** **पहाड़ से ऊँचा आदमी** **(केवल पढ़ने के लिए)**	**कविता/ जीवन-संघर्ष** जीवन के अनुभवो को नए परिवेश में ढालकर विद्यार्थियों को उससे परिचित कराना	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** मुहावरे: अर्थ **कक्षा 7** मुहावरे: वाक्य प्रयोग **का. सं. 12, 24, 34** **कक्षा 8** ● मुहावरे : पाठ में आए मुहावरों का अर्थ एवं उनका वाक्य प्रयोग ● पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- योजक चिह्नों का प्रयोग ● जीवन में आनेवाली चुनौतियों का सामना करने का उपाय बताते हुए मित्र/ छोटे भाई/ बहन को पत्र ● जीवन-संघर्ष पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास	• कविता' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • इस व्यवहार विषयक पाठ के माध्यम से समय और उसकी कठिनाई को जान सकेंगे, • वक्त के प्रयोग ,उसकी उपयोगिता और हमारे जीवन के लिए उसके महत्त्व को जान सकेंगे, • वक्त से जुड़े कई शब्द यथा- कठिनाई, संघर्ष, मानवीय चेतना आदि से परिचित होंगे, • वक्त की कमी से होनेवाली कठिनाइयों एवं उसके प्रभाव से अवगत होंगे, • समय और संघर्ष मे आने वाली कमियों को कैसे पूरा किया जा सकता है, इस तथ्य को जान सकेंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	• कार्यपत्रक सं. 20 • संघर्ष के माध्यम से विजय प्राप्त करनेवाले महापुरुषों का संक्षिप्त विवरण देते हुए सचित्र सूची बनाएँ।

- **उपरोक्त पाठ्यक्रम 30 सितम्बर 2023 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।**
- **मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है । ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "भारत की खोज" कक्षा-8 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं । गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं । अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**

मध्यावधि परीक्षा

(वसंत भाग 3) पाठ संख्या और नाम	विधा / विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
पाठ.9 **कबीर की साखियाँ (कबीर)**	**साखियाँ / जीवन - मूल्य** जीवन के विभिन्न अनुभव को लेकर कबीर दास द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रस्तुति	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** नए शब्द जोड़कर शब्द निर्माण **कक्षा 7** उपसर्ग और प्रत्यय :पहचान **कक्षा 8** उपसर्ग और प्रत्यय द्वारा नए शब्दों का निर्माण पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● देशज अथवा बोलचाल की भाषा में उच्चारण में अनुरूप वर्तनी परिवर्तन की समझ ● जीवन-मूल्यों पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास	● साखियाँ' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● आम जनों के प्रति संवेदनशील होंगे, ● आम जनों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना का सम्मान कर सकेंगे, ● अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान रूप से व्यवहार करेंगें, ● अन्य क्षेत्रों और भाषाओं के साहित्य और शब्दावलियों से परिचित होंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	● कार्यपत्रक सं. 22 ● कार्यपत्रक सं. 24 ● कबीर के दोहों के आधार पर प्रयोग किए गए शब्दों की सूची बनाना और उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी एकत्र करना। ● देशज शब्दों का उनके हिंदी मानक रूप के साथ सूची बनाएँ।

पाठ. 13 **जहाँ पहिया है** **(पी साईनाथ)**	**रिपोर्ताज/महिला सशक्तिकरण** महिला सशक्तिकरण पर आधारित कहानी जिसमें विकास के क्रम में पहिए की उपयोगिता और उससे हुए परिवर्तन का वर्णन।	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** उपसर्ग और प्रत्यय की पहचान **कक्षा 7** उपसर्ग और प्रत्यय का प्रयोग **कक्षा 8** उपसर्ग और प्रत्यय से शब्द निर्माण • आपने साईकिल चलाना कैसे सीखा ? का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र • महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर अनुच्छेद लेखन / निबंध लेखन/ चित्र वर्णन	• **रिपोर्ताज** विधा से परिचित होंगे, • भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, • पाठ में दिए गए कठिन शब्दों का अर्थ समझ सकेंगे, • प्रत्येक अनुच्छेद में सन्निहित भाव एवं सीख से परिचित होंगे, • यातायात के साधनों के विकास को जानने के प्रति जिज्ञासु होंगे। पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे	• कार्यपत्रक सं. *30* • कार्यपत्रक सं. *32, 34* • कार्यपत्रक सं. 36, 39 • यातायात के विभिन्न साधनों के बारे में समूह चर्चा
पाठ.14 **अकबरी लोटा** **(अन्नपूर्णा वर्मा)**	**कहानी/व्यंग्य** पात्रों के माध्यम से परतंत्रता के समय में अंग्रेजों के साथ हुई घटनाओं में से एक छोटी सी घटना को लेकर के उस समय की प्रवृत्तियों का चित्रण करना।	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** कारक चिह्न: पहचान **कक्षा 7** कारक चिह्न : भेद **कक्षा 8** कारक चिह्नों का वाक्य में प्रयोग का अभ्यास पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- • मुहावरे अर्थ और प्रयोग • लोकोक्ति अर्थ और प्रयोग • देश की मूलभूत समस्याओं पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास	• 'कहानी,' से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, • सस्वर आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • सामाजिक परिवेश, मानवीय जिज्ञासाओं के प्रति जिज्ञासु होंगे, • लोगो के अचार विचार, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, • विभिन्न आंचलिक वस्तुओं के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे, • मानवीयता के प्रति संवेदनशील होंगे, • राष्ट्रीय परिवेश के बारे में अधिक जिज्ञासु होकर उनसे सम्बंधित जानकारियां एकत्रित कर सकते हैं, • मनुष्य और परिस्थितियों के बीच के आपसी सम्बन्धों को जान सकेंगे, • कल्पनाशीलता का विकास होगा,	• कार्यपत्रक सं. *35* • कार्यपत्रक सं. *38* • कार्यपत्रक सं. 42 • किन्हीं दस प्राचीन भारतीय वस्तुओं का संक्षिप्त विवरण देते हुए सचित्र प्रस्तुति

पाठ. 15 **सूर के पद** **(सूरदास)**	**काव्य, पद/** वात्सल्य प्रेम वात्सल्य एवं प्रेम के विभिन्न भागों, बाल सुलभ क्रिया-कलापों को चित्रित करती सूरदास जी के पदावली के अंश की प्रस्तुति	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** पर्यायवाची: पहचान **कक्षा 7** पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग **का. सं. 2 ,30** **कक्षा 8** पर्यायवाची शब्दों की सूची पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- • पर्यायवाची शब्दों का अभ्यास • वात्सल्य प्रेम पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास	• पद काव्य' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • सूर के पद के आधार पर जीवन, व्यक्तित्व, भक्ति और वात्सल्य के बारे में जान सकेंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे	• कार्यपत्रक सं. 37 • कार्यपत्रक सं. 39 • सूरदास से संबंधित जानकारी एकत्र करते हुए समूह परियोजना के रूप में प्रस्तुति

- **उपरोक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2024 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।**
- **वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा जाएगा।**
- **वार्षिक परीक्षा हेतु संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है । ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "भारत की खोज" कक्षा-8 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं | गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं । अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**

वार्षिक परीक्षा